प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में मूल्यांकनकर्ताओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। 20 अगस्त 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में एक-दिवसीय मूल्यांकनकर्ताओं के उन्मुखीकरण कार्यक्रम (एओपी) का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य मूल्यांकनकर्ताओं को मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया में समर्थ एवं संज्जित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा थे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, दिल्ली, की उप सलाहकार, डा. प्रतिभा सिंह एवं डा. देवेन्द्र कवाडे के साथ गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री, डा. रीता सिंह रघुवंशी मंचासीन थी। इस कार्यक्रम की स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष, परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग, डा. दीपा विनय थी।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, ने अपने संबोधन में कहा कि देश में स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा के उच्च स्तर को बनाये रखने के लिए समय-समय पर उनके शिक्षण एवं शिक्षण सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाना आवश्यक है। यह मूल्यांकन करने के लिए कुशल विशेषज्ञों का होना भी जरूरी है। यह कार्यशाला ऐसे मूल्यांकनकर्ताओं की कुशलता में वृद्धि करने हेतु आयोजित की गयी है ताकि मूल्यांकनकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारियों एवं उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान की जानकारी दी जा सके।

डा. प्रतिभा सिंह ने बताया कि एनएएसी का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन और उन्हें मान्यता देना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, प्रौद्योगिकी और आईसीटी सुविधा के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों में आत्म विनियमता और जवाबदेही की आवश्यकता को स्पष्ट करता है। डा. सिंह ने कहा कि मूल्यांकनकर्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम, भारत की बढ़ती शिक्षा नीतियों का वास्तविक स्वरूप देने के लिए बनाया गया है।

डा. दीपा विनय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में 38 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें विभिन्न संस्थानों के कुलपति, निदेशक, वैज्ञानिक एवं विभिन्न विषयों से संबंधित विशेषज्ञ उपस्थित थे। यह कार्यक्रम छः सत्रों में विभाजित किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मूल्यांकनकर्ताओं को संबोधित करते पंतनगर के कुलसचिव डा. ए.पी. शर्मा।